सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-382**
30/08/2017

मुख्यमंत्री ने पथ निर्माण विभाग एवं परिवहन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षात्मक बैठक की

पटना, 30 अगस्त 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद कक्ष में पथ निर्माण विभाग एवं परिवहन विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षात्मक बैठक की। समीक्षा बैठक में संबंधित विभाग के सभी बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी। समीक्षा के क्रम में मुख्यमंत्री द्वारा संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये।

समीक्षा बैठक के उपरांत पथ निर्माण विभाग की समीक्षात्मक बैठक के संदर्भ में मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि राज्य के सभी स्टेट हाईवे को अगले तीन वर्षों के अंदर Two lane with pave shoulder चौड़ीकरण करने का निर्देश दिया गया है। कुल 4,005 किलोमीटर लंबाई में से 1,320 किलोमीटर तद्नुसार चौड़ीकरण किया जायेगा। मुख्य सचिव ने बताया कि पथ निर्माण विभाग के अधिन पथों में 335 तंग या स्क्रू पाइल ब्रिज को अगले तीन वर्षों के अंदर आर0सी0सी0 ब्रिज बनाये जाने का निर्णय लिया गया, इसके लिये इस वर्ष के बाढ़ के अनुभव को ध्यान में रखते हुये जितना बहाव जरूरी है, उतना प्रावधान करने का निर्देश मुख्यमंत्री ने दिया। ओ0पी0आर0एम0सी0 के अन्तर्गत संधारित पथों का सूक्ष्म अनुश्रवण सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया।

बैठक में इंडो–नेपाल बार्डर रोड में बाढ़ के कारण हुयी क्षति के मद्देनजर अतिरिक्त पुलों का प्रावधान करने का भी निर्णय हुआ। पथ निर्माण विभाग को निर्देश दिया गया कि इसका पुनरीक्षण करते हुये भारत सरकार से स्वीकृति हेतु अनुरोध किया जाय। बैठक में भू–अर्जन में तेजी लाने हेतु राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के स्तर पर विशेष सेल के गठन का भी निर्णय हुआ। शहरी क्षेत्रों में पथ निर्माण की सड़कों पर सुरक्षा के दृष्टिकोण से स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था एवं संधारण पथ निर्माण विभाग द्वारा करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में पटना आउटर रिंग रोड के एलाइनमेंट की स्वकृति प्रदान की गयी। अब पटना आउटर रिंग रोड एस0एच0– 78 के एलाइनमेंट पर बनेगा। यह आउटर रिंग रोड कन्हौली से शुरू होकर नौबतपुर, लखना, दनियावां, फतुआ, कच्ची दरगाह के रूप में विकसित किया जायेगा। महात्मा गॉधी सेतु के समानांतर एक अतिरिक्त फोर लेन ब्रिज के निर्माण हेतु एलाइनमेंट की स्वीकृति प्रदान की गयी। जिरो माइल से रामाशिष चौक तक यह फोर लेन ब्रिज नूतन गॉधी सेतु के रूप में विकसित किया जायेगा। गंगा पथ में 13 से 20वें किलोमीटर के बीच चार किलोमीटर एलिवेटेड पथ बनाने की सहमति प्रदान की गयी। गंगा पथ शून्य से आठ किलोमीटर तक मई 2018 तक चालू करने एवं बिहटा–सरमेरा रोड को भी जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया।

परिवहन विभाग की समीक्षा के संबंध में मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि निबंधन होने वाले वाहनों के संबंध में टैक्स को रेशनलाइज करने का निर्णय लिया गया। अभी 7 प्रतिशत शुल्क लिया जाता है। विभाग इस संबंध में टैक्स को रेशनलाइज करने हेतु निर्णय करेगा। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा नीति बनी है। सर्वोच्च न्यायालय इसका अनुश्रवण कर रहा है। इसके अन्तर्गत ऐसे स्थलों को चिह्नित किया जाना है, जहॉ

अधिकाधिक दुर्घटनायें घटती है, जिसे ब्लैक स्पॉट कहा जाता है। इसमें सुधार लाने हेतु फंड क्रियेट किया जाना है। स्थल चिह्न किये जा चुके हैं और 125 करोड़ रूपये का फंड भी क्रियेट किया जा चुका है।

मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य में वाहनों का डाटा को इंटिग्रेट करने का भी निर्णय लिया गया है ताकि वाहनों का इतिहास पता किया जा सके। डाटा में यदि कोई वाहन का नंबर डाला जाय तो वाहन चालक का नाम, पता, वाहन कब खरीदा गया, कभी कोई दुर्घटना हुयी हो तो उसका ब्योरा, वाहन का बीमा, यातायात नियमों के उल्लंघन इत्यादि का ब्योरा पता चल सके।

मुख्य सचिव ने बताया कि विभाग द्वारा राज्य में सी0एन0जी0 और बैट्री चालित वाहनों को भी लाने हेतु मोटिवेट करने का प्रयास किया जायेगा ताकि परंपरागत पेट्रोल–डीजल के वाहनों की संख्या घटे, इससे प्रदूषण भी नियंत्रित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि बिहार स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन घाटे में था। अब 500–600 बसें चल रही है। रोड ट्रांसपोर्ट को रिवाइव करने पर भी योजना बन रही है। उन्होंने कहा कि अब ई–पेमेंट के सिस्टम को बढ़ावा दिया जायेगा ताकि लोगों को कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े। ई–पेमेंट करने वालों को इनसेंटिव भी दिया जायेगा।

समीक्षा के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, संबंधित विभागों के मंत्री– पथ निर्माण मंत्री श्री नंदकिशोर यादव/ परिवहन मंत्री श्री संतोष कुमार निराला, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, विकास आयुक्त श्री शिशिर सिन्हा, प्रधान सचिव पथ निर्माण श्री अमृत लाल मीणा, प्रधान सचिव मंत्रिमण्डल समन्वय श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, राज्य परिवहन आयुक्त श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह सहित पथ निर्माण विभाग एवं परिवहन विभाग के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

****